	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
1. अमृतवेले का योग शक्तिशाली रहा?																															
2. विश्व को पवित्रता का सकाश दिया ?																															
3. अपने स्वमान में स्थित रहे?																															
4. बार-बार अशरीरी बनने की ड्रिल की?																															
5. रात्रि सोने से पूर्व आधा घंटा योग किया?																															

चलते-फिरते विशेष प्रैक्टिस :-

मुझ परम पवित्र फरिश्ते से सारे विश्व में पवित्रता के वायब्रेशन फैल रहे हैं....।

विशेष ड्रिल - **मैं आत्मा देह से निकली, परमधाम में शिव बाबा के साथ कम्बाइंड होकर फुलचार्ज हुई, फिर वापस अपनी देह में, फिर ऊपर बाबा के पास, फिर वापस अपनी देह में..... यह ड्रिल बार-बार करनी है।**

अगस्त 2022 मनसा सेवा योगाभ्यास

1. मैं पवित्रता के सागर के साथ कम्बाइंड आत्मा हूं।
2. मैं परम पवित्र आत्मा हूं।
3. मैं पवित्रता का सूर्य हूं।
4. मैं सम्पूर्ण पवित्र आत्मा हूं।
5. मैं पवित्रता का लाइट हाउस माइट हाउस हूं।
6. मैं पवित्रता की शक्ति से संपन्न आत्मा हूं।
7. मैं आत्मा पवित्रता का स्तंभ हूं।
8. मैं परम पवित्र फरिश्ता हूं।
9. मैं सम्पूर्ण निर्विकारी आत्मा हूं।
10. मैं पवित्र दृष्टि से भरपूर आत्मा हूं।
11. मैं पवित्र किरणें फैलाने वाला फरिश्ता हूं।
12. मैं परम पवित्र फरिश्ता हूं।
13. मैं चलती फिरती पवित्रता की मूर्ति हूं।
14. मैं परमात्म प्योरिटी से भरपूर आत्मा हूं।
15. मैं फरिश्ता पवित्रता का अवतार हूं।
16. मैं मस्तक में विराजमान पवित्रता का गोला हूं।
17. मैं प्रकृति को पावन बनाने वाला फरिश्ता हूं।
18. मैं सदा पवित्र प्रकम्पन फैलाने वाली सेवाधारी आत्मा हूं।
19. मुझ फरिश्ते से पवित्रता की लाइट निकल रही है।
20. मैं पवित्रता का सकाश देने वाला फरिश्ता हूं।
21. मैं इस पुरानी देह में मेहमान आत्मा हूं।
22. मैं देह से न्यारी पवित्र आत्मा हूं।
23. मैं पवित्र संकल्पों से भरपूर आत्मा हूं।
24. मैं आत्मा पवित्र होली हंस हूं।
25. मैं पवित्रता का सहयोग देने वाली आत्मा हूं।
26. मैं पवित्र संस्कारों वाली विशेष आत्मा हूं।
27. मैं आत्मा पवित्रता का चुम्बक हूं।
28. मैं आत्मा पवित्रता के सागर की सन्तान हूं।
29. मैं पवित्रता के वायब्रेशन से संपन्न आत्मा हूं।
30. मैं पवित्रता की देवी / देवता हूं।
31. मैं मास्टर पवित्रता का सागर हूं।

ओम् शान्ति